

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर में "लीची प्रवर्धन और नर्सरी प्रबंधन" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ

भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर (बिहार) ने 12 से 14 सितंबर 2023 तक "लीची प्रवर्धन और नर्सरी प्रबंधन" विषय पर 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। सफल लीची उत्पादन के लिए वास्तविक गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री की उपलब्धता एक जरूरी है। गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में लीची की खेती की संभावना के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, लीची की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। हालाँकि, पारंपरिक रूप से लीची उगाने वाले राज्यों से गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के परिवहन से जुड़ी कठिनाइयाँ गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में लीची के क्षेत्र विस्तार की धीमी दर का एक महत्वपूर्ण कारक है। इसे ध्यान में रखते हुए, लीची नर्सरी को बढ़ावा देकर अन्य लीची उत्पादक राज्यों में गुणवत्तापूर्ण लीची पौधों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार के 20 किसानों ने भाग लिया। डॉ. बिकाश दास, निदेशक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र ने अन्य राज्यों में लीची के क्षेत्र विस्तार की वर्तमान प्रवृत्ति और दायरे पर जानकारी दी और अच्छी गुणवत्ता और पर्याप्त रोपण सामग्री प्राप्त करने में किसानों/उत्पादकों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान, प्रशिक्षुओं को लीची की गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन पर सैद्धांतिक कक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। डॉ. सुनील कुमार, वैज्ञानिक (फल विज्ञान) और डॉ. भाग्य विजयन, वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) ने कार्यक्रम के समन्वय का कार्य किया।

A 3-day Training Program on "Propagation and Nursery Management in Litchi" organized at ICAR-NRCL

ICAR-National Research Centre on Litchi, Muzaffarpur (Bihar) organized a 3-day training program on "Propagation and Nursery Management in Litchi" from 12 to 14th September 2023. Availability of genuine quality planting material is the prerequisite for successful litchi orchard establishment. With increasing awareness about the possibility of litchi cultivation in non-traditional areas, the demand for quality planting material of litchi is increasing day by day. However, the difficulties associated with the transportation of quality planting material from traditionally litchi growing states is one of the important factor in the slower rate of area expansion of litchi in non-traditional areas. Keeping this in view, the training programme was conducted to increase the availability of quality litchi plants in other litchi-growing states through the promotion of litchi nurseries. 20 farmers from Jharkhand, Uttar Pradesh and Bihar participated in the program. Dr. Bikash Das, Director, ICAR-NRCL briefed on the present trend and scope of area expansion of litchi in other states and highlighted the difficulties faced by the farmers/growers in obtaining good quality and sufficient planting material. During the programme, the trainees were provided classroom as well as hands-on training on the production of quality planting material of litchi. Dr. Sunil Kumar, Scientist (Fruit Science) and Dr. Bhagya Vijayan, Scientist (Agri. Extension) were the coordinators of the programme.



Dr. Bikash Das, ICAR-NRCL addressing the trainee farmers during the inaugural session



Trainee farmers lecture session by Dr. Sunil Kumar, Scientist (Fruit Science)



Trainee farmer's practical session



Valedictory Session of the training programme: Dr.Vinod Kumar, Principal Scientist conferring certificate



Group photo of trainees farmers with Director, ICAR-NRCL